| M We HEMARK |  |  |  | $\begin{aligned} & \text { the pocr against the rich, of por } \\ & \text { erty against property. Mr. B } \\ & \text { e cald. he owned the corrsctress of } \end{aligned}$ |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | theo doctrine, as above laid down, | provided they dent firitly -the |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | S- | lanc |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Bants, fifond gults of the char- |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| $\begin{aligned} & \text { an } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| $\begin{aligned} & \text { Incre diftereace of opmion on a } \\ & \text { subject, which he confeesed, was } \\ & \text { with some, of doubtul policy. Mr } \\ & \text { B. sad , he had ever been opposed } \end{aligned}$ |  | there, in theee orit , any yhmg | strion it bad fra | have forgotien that these institu- |  |
|  | dry |  | the |  |  |
|  | medinely take pace |  | coun |  |  |
|  | - tie intaro oppion | tion of the Corporation, as policy |  |  |  |
|  |  |  | iepmerial report |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | retid |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | ted |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| $\begin{aligned} & \text { rations of a repuncan gencri- } \\ & \text { ment. Henght it an ill sha- } \\ & \text { pened whelp of that system of } \\ & \text { paper patronage introduced in } \end{aligned}$ | po | di- |  |  |  |
|  | ${ }_{\text {lo }}^{\text {lod }}$ | d | 为 |  |  |
| vader the denomination of the funding system, to buoy up and |  |  | merely as in en exaion of | (axay unoses the gill |  |
| Eive Fermannery to it oteteriog |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| scura," ithad inverted every thingwithin its spliere. By the aid ofits great patron and founder, theThories, who then held the land- | orrot ind difirent Corpor | sir, |  |  |  |
|  | (particularly $\begin{aligned} & \text { uter } \\ & \text { the corrective orv }\end{aligned}$ | ${ }_{\substack{\text { crer } \\ \text { critit }}}$ |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Jubbers, by the magic of this paper patronage, became-the, land-hol- ders of that crountry. Its effects |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ${ }^{\text {a }}$ |  |  |  |  |  |
|  | \% | Persition licance |  |  | Simmontspruil Stephens. SMin |
|  |  | held |  |  |  |
| degrade and impoverish the com- monalty and yeomanry of the country. If, then, the same cau- |  |  |  |  |  |
| Eone |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| would, in a due process of time, tieunavoidably the same in this coun-try that they had been in Finglarid. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Coach und |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| some |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Ornamental Pain |
|  |  |  |  |  |  |
| tina an anal |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

